सांध्य दैनिक
# 4PM
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 116 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 2 जून, 2023

मनुष्य अपने सबसे अच्छे रूप में सभी जीवों में सबसे उदार होता है, लेकिन यदि कानून और न्याय न हों तो वह सबसे खराब बन जाता है।
-अरस्तु

अगले हफ्ते से पसीना छुड़ाएगी गमी... 7
एक तीर कई निशाने लगाने को सियासी... 3
बेहूदा टिप्पणियों से देश की छवि... 2

# राहुल के बयान से उड़ी भाजपा की नींद

» अमेरिका में कहा-चौंकाने वाले होंगे 24 लोस चुनाव के नतीजे
» मुस्लिम लीग को धर्मनिरपेक्ष बताने पर भाजपा ने घेरा
» विपक्ष की एकजुटता पर हो रहा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका में मुस्लिम लीग पर बयान देकर राहुल गांधी ने एकबार फिर भारत में घमासान मचवा दिया। उन्होंने जैसे ही वहां ये कहा कि मुस्लिम लीग धर्मनिरपेक्ष है यहां भाजपा ने उनको घेर लिया। वहीं 24 में लोकसभा चुनाव में चौंकाने वाले परिणाम होंगे के बयान से भी भाजपा की नींद उड़ गई है।
ज्ञात हो कि अमेरिका की छह दिवसीय यात्रा के दौरान राहुल गांधी आज वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसी बीच जब एक पत्रकार ने उनसे केरल में मुस्लिम लीग से कांग्रेस के गठबंधन के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष पार्टी है और उसमें गैर-धर्मनिरपेक्ष जैसा कुछ नहीं है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी को कुछ पता नहीं होता है और वे बिना सोचे समझे बयानबाजी करते हैं।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से हटाने के लिए एकजुट विपक्ष की क्षमता पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कांग्रेस पार्टी अगले आम चुनाव में बहुत अच्छा करेगी, नतीजे लोगों को चौंका देंगे। बस आप कैलकुलेट करें, एकजुट विपक्ष अपने दम पर बीजेपी को हरा देगा, राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में एक साल से भी कम समय बचा है और कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ नियमित बातचीत कर रही है। विपक्ष बहुत अच्छी तरह से एकजुट है। हम सभी विपक्षी दलों के साथ बातचीत कर रहे हैं। यह एक जटिल चर्चा है, क्योंकि ऐसे कई राज्य हैं, जहां हम उन दलों के साथ कंपिटीशन कर रहे हैं, लेकिन मुझे विश्वास है कि विपक्ष का महागठबंधन होगा। जब वह राजनीति में आए थे, तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि उन्हें लोकसभा की सदस्यता से कभी अयोग्य घोषित किया जाएगा, लेकिन इसने उन्हें सेवा करने का एक बड़ा अवसर दिया।

## प्रेस की आजादी हो रही कमजोर

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वह अपने जीवन के खतरों के बारे में चिंतित नहीं हैं और यह पीछे हटने का कारण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, कि मैं हत्या की धमकियों से चिंतित नहीं हूं, हर किसी को मरना है, यही मैंने अपनी दादी और पिता से सीखा है, आप ऐसी किसी चीज के लिए पीछे नहीं हटते।

## राहुल का बयान कड़वी सच्चाई, पर कांग्रेस भी जिम्मेदार : मायावती

बसपा सुप्रीमो ने कहा, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष द्वारा अमेरिकी दौरे में भारत के करोड़ों दलितों व मुस्लिम समाज की दयनीय दशा एवं उनके जान-माल, मजहब की असुरक्षा आदि के बारे में दिया गया बयान ऐसी कड़वी सच्चाई है जिसके लिए केन्द्र में कांग्रेस, बीजेपी व अन्य पार्टियों की रही सरकारें पूर्ण रूप से दोषी। देश में यूपी सहित अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकार हो या बीजेपी अथवा सपा की, बहुसंख्यक बहुजन समाज के गरीबों व वंचितों पर हर स्तर पर अन्याय-अत्याचार व शोषण आम बात है।

## इतिहास को पढ़ें राहुल : सुधांशु

भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें पहले इतिहास को पढ़ना चाहिए और फिर बोलना चाहिए। सुधांशु ने कहा कि कांग्रेस पहले मुस्लिम लीग को भाजपा से जोड़ती थी और राहुल अब कुछ और ही राग अलाप रहे हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि कांग्रेस मुस्लिम लीग को धर्मनिरपेक्ष मानती है, लेकिन विभाजनकारी होने के लिए भाजपा को निशाना बनाते हैं। देश को यह समझने की जरूरत है कि कांग्रेस विभाजन के बीज बोने की कोशिश कर रही है।

# महिला पहलवानों का आरोप- सीने पर हाथ फेरा संबंध बनाने को कहा, कमरे में भी बुलाया था

» बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर का ब्यौरा सामने आया
» पहली एफआईआर में छह बालिग रेसलर्स का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दर्ज दो एफआईआर का ब्योरा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों एफआईआर में यौन शोषण के आरोप हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में 28 अप्रैल को ये दोनों एफआईआर दर्ज हुई थीं। जिसमें पहलवानों ने गलत तरीके से छूना, बहाने से सीने पर हाथ फेरने के अलावा और भी कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।
जानकारी के मुताबिक, पहली एफआईआर में छह बालिग रेसलर्स ने आरोप लगाया है कि सांसद बृजभूषण ने उन्हें गलत तरीके से छुआ। बहाने से सीने पर हाथ रखने की कोशिश की। यहां तक कि सांस को चेक करने के बहाने से उनकी टी-शर्ट भी उतारी। एक जख्मी महिला खिलाड़ी का खर्च कुश्ती संघ द्वारा उठाने को लेकर संबंध बनाने की डिमांड भी की। आरोप है कि जब खिलाड़ी ने इससे इनकार कर दिया तो उनके साथ ट्रायल में भेदभाव किया गया।

## अयोध्या में रैली स्थगित

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पहलवानों के बीच की जंग लगातार जारी है। यौन शोषण जैसे गंभीर आरोपों में घिरे बृजभूषण शरण सिंह ने शुक्रवार को ऐलान किया है कि अयोध्या में होने वाली जन चेतना रैली स्थगित की जा रही है। बीजेपी सांसद ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि पुलिस जांच के चलते इस रैली को फिलहाल के लिए स्थगित किया जा रहा है। डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने घोषणा की कि 5 जून को होने वाली जन चेतना महारैली, अयोध्या चलो को कुछ दिनों के लिए स्थगित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच चल रही है और सुप्रीम कोर्ट के गंभीर निर्देशों का सम्मान करते हुए ये निर्णय लिया है।

## दूसरी एफआईआर में नाबालिग रेसलर से की अश्लील हरकत

वहीं दूसरी एफआईआर में एक नाबालिग रेसलर ने बहाने से कमरे में बुलाकर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है, लेकिन अपनी सूझ-बूझ से वह बच निकली। बृजभूषण के खिलाफ धारा 354, 354 ए, 354 डी, और धारा 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

# चारों ओर बदहाली को सरकार बता रही खुशहाली : खाबरी

### » कहा-कांग्रेस का कारवां दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा है कि इस भीषण गर्मी में बुंदेलखंड में पानी की विकराल समस्या है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और अपराध भी बढ़ा है लेकिन प्रदेश सरकार खुद ही अपना गुणगान कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का परिवार दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की अपनी ही तारीफ करने की नीति न प्रदेश के हित में है, न ही प्रदेश की जनता के हित में है। राहुल गांधी की लोकप्रियता से भाजपा नेता बौखलाहट में गलत बयान दे रहे हैं। महंगाई बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बढ़ता जा रहा है। इस अवसर पर संयोजक अशोक सिंह, प्रवक्ता अंशु अवस्थी, प्रवक्ता पंकज तिवारी मौजूद रहे। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत और जनविरोधी नीतियों से प्रदेश में चारों तरफ बदहाली है। बुंदेलखंड में पानी की विकराल समस्या हो गई है। पानी के लिए लाइनें लगी हैं, प्रदेश सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च किए लेकिन उसका लाभ एक भी व्यक्ति को नहीं मिल रहा है। सरकार कहती है कि अपराध कम हो गया लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है।

**करोड़ों रुपए खर्च लाभ एक को भी नहीं**

### फ्री की घोषणाएं केवल छलावा : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है राजस्थान में चुनाव के नजदीक कांग्रेस सरकार ने 500 रुपये में रसोई गैस और 100 यूनिट बिजली फ्री देने की घोषणा की है। यह साफ तौर पर चुनावी छलावा है। बढ़ती महंगाई के मद्देनजर इनको यह कार्य सरकार बनने के शुरू में ही पांच साल पहले कर देना चाहिए था। ट्वीट के जरिए मायावती ने कहा कि राजस्थान की तरह ही विफल रही छत्तीसगढ़ की कांग्रेस, मध्य प्रदेश की भाजपा व तेलंगाना की बीआरएस सरकार अब विधानसभा चुनाव के नजदीक सरकार बचाने के लिए जनता को प्रलोभन दे रही है। भ्रामक प्रचार के छलावे का सहारा ले रही है जबकि जनता इससे ऊब चुकी है।

# भाजपा को 2024 में दिख जाएगा परिणाम : आनंद

### » लोग थे परेशान बीजेपी बना रही थी कार्यालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुपौल। जेल से रिहाई के बाद बीते गुरुवार की शाम पहली बार पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह सुपौल पहुंचे। उन्होंने वहां आयोजित जन सभा में उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। आनंद मोहन ने दलित विरोधी कहे जाने वाले बयान के जवाब में कहा कि आज बीजेपी की बी टीम हैदराबाद और उत्तर प्रदेश में है तो वहीं सी टीम ईडी, सीबीआई और आयोग है। आनंद मोहन ने कहा कि लोग उन्हें अपने संपर्क अभियान को धीमा करने की नसीहत देते हैं, लेकिन 2024 का चुनाव सबका परिणाम बताएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आठ अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई से पहले शांत रहने को कहते हैं, लेकिन उन्हें भरोसा है, अगर इस बार भी गलती हुई तो वो आजीवन कैद झेलने के लिए तैयार हैं, लेकिन सांप्रदायिक ताकत के सामने सिर झुकाने को कभी तैयार नहीं हैं।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए आनंद मोहन ने कहा कि नोटबंदी और कोरोना के दौरान जब लोग चार हजार बदलने के लिए लाइन में थे तब बीजेपी का करोड़ों का कार्यालय बन रहा था। राम मंदिर के नाम पर शिला पूजन हो रहा था। लोगों से ईट ली जा रही थी। सब बीजेपी कार्यालय बनाने में लगा दिया। इतना ही नहीं उन्होंने सरदार पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे देश में उसके निर्माण के लिए भी लोहे इकट्ठ किए गए जिसको बेच कर पार्टी ने निर्माण में लगा दिया।

# चुनाव से पहले सीएम का चेहरा नहीं कर सकते तयः डॉ. गोविंद

### » मप्र कांग्रेस में चल रही बैठकें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। कांग्रेस जहां, जून में ही प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की बात कर ही है, वहीं पार्टी में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर घमासान मचा हुआ है। हाल ही में नई दिल्ली में कांग्रेस हाई कमान ने मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेताओं की बैठक ली थी। मध्य प्रदेश के कई दिग्गज नेता इसमें शामिल हुए थे।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है। ऐसे में चुनाव से पहले हम मुख्यमंत्री का चेहरा तय नहीं कर सकते। जो भी होगा, चुनाव परिणाम के बाद विधायक दल तय करेगा। उधर, कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह कमल नाथ के चेहरे के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्य प्रदेश में जनभावनाएं कमल नाथ के साथ दिखाई दे रही हैं।

### कमलनाथ को लेकर अजय सिंह ने जताई आपत्ति

कांग्रेस में ऐसे बयान पहले भी आते रहे हैं। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने भी कमल नाथ के सीएम पद के चेहरे बनाए जाने को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि चुनाव के पहले चेहरा घोषित करना अच्छी परंपरा नहीं है। वहीं, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण यादव ने भी सीएम पद के चेहरे को लेकर विरोध जताया था।

# मुंह दिखाने लायक नहीं बची भाजपा

### » अखिलेश यादव बोले-भाजपा सरकार के इशारे पर अन्याय कर रहे हैं अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा मुह दिखाने लायक नहीं बची है अब उसका पतनकाल शुरू हो गया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भाजपा में कोई मंत्री सवालों से बचने के लिए भाग रही हैं तो कोई मंत्री मुड़कर पीठ दिखा रहा है। कोई सजा से बचने के लिए कानून को ही बदलने की बात कह रहा है। भाजपाई अपनी करतूतों की वजह से जनता और मीडिया को मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं।

इसी तरह उन्होंने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर अधिकारी अन्याय कर रहे हैं। जनता भाजपा के हर अन्याय के खिलाफ खड़ी है। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया होगा। देश और प्रदेश के लोग लोकतंत्र पर विश्वास करते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से बृहस्पतिवार को तमिलनाडु से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भेंट की। सपा अध्यक्ष को भगवान श्रीकृष्ण का चित्र भेंट करने के साथ अंगवस्त्रम और लौंग का हार पहनाकर सम्मानित किया। उन्हें तमिलनाडु यात्रा के लिए निमंत्रण भी दिया गया। इस मौके पर पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह, किरनमय नंदा, राजेन्द्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

### डीएफओ को सौंपा सारस

लखनऊ के मलिहाबाद रोड पर गंभीर हालत में घायल मिले सारस को इलाज के बाद स्वस्थ होने पर विधायक रविदास मेहरोत्रा एवं अली हसैन आब्दी ने बृहस्पतिवार को लखनऊ चिड़ियाघर प्रशासन को सौंपा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत अली हसनैन आब्दी ने मुलाकात की। मांग की है कि अमेठी में मिला सारस नर है, जबकि मलिहाबाद में मिला सारस मादा है। दोनों सारस को एक साथ रखने की व्यवस्था होनी चाहिए। सपा अध्यक्ष ने आब्दी को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।

# एलजी कर रहे अवैध काम : आप

### » वरिष्ठ अभियोजकों की नियुक्ति का मामला

### » प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजने पर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पॉक्सो मामलों के त्वरित निपटारे के लिए वरिष्ठ अभियोजकों की नियुक्ति का प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेज दिया है। उन्होंने पॉक्सो से जुड़े 20 मामलों की अलग-अलग अदालतों में सुनवाई में दिल्ली सरकार और मंत्री की तरफ से देरी का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है।

वहीं, दिल्ली सरकार ने भी पलटवार करते हुए इसे अवैध करार देते हुए एलजी के अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के आरोप लगाए हैं। राजनिवास के एक अधिकारी के मुताबिक, इससे जुड़ी फाइल 25 दिनों से मुख्यमंत्री के पास लंबित है। बेवजह देरी को विवश होकर एलजी वीके सक्सेना ने पॉक्सो मामलों के त्वरित निपटान के लिए दिल्ली सरकार के गृह विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए इसे गृह मंत्रालय को भेज दिया है। सीआरपीसी की धारा 24(8) के तहत गृह मंत्रालय को वरिष्ठ अभियोजकों की नियुक्ति का प्रस्ताव मंत्रालय को भेजा गया है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार चुनौती देगी। दिल्ली के लोग एलजी से तंग आ चुके हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने का काम करने की जगह निर्वाचित सरकार के कामकाज में बार-बार हस्तक्षेप किया जा रहा है। दिल्ली ने ऐसी नकारात्मक सोच वाले एलजी को कभी नहीं देखा। ऐसे समय में जब दिल्ली की महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं और उत्पीड़न का सामना कर रही हैं, एलजी को दिल्ली के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के बारे में सोचना चाहिए।

### उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री व मंत्री को भरोसे में नहीं लिया

दिल्ली सरकार का कहना है कि एलजी ने चुनी गई सरकार की अनदेखी कर आदेश जारी किया है। इस बारे में मुख्यमंत्री व मंत्री को भरोसे में नहीं लिया गया। हैरानी की बात है कि बार-बार सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बावजूद एलजी ने अधिकार क्षेत्र से बाहर आदेश जारी किए हैं। एलजी का यह आदेश पहले के कई आदेशों की तरह ही अवैध है।

# राजस्थान का रण : रणबांकुरे तैयार

» भाजपा ने मोदी-राजे को आगे कर किया चुनावी आगाज

» कांग्रेस ने गहलोत-पायलट को दी कमान

» जाट और मुस्लिम वोटरों पर फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कर्नाटक जैसा बड़ा राज्य गंवाने के बाद बीजेपी उसकी भरपाई के लिए राजस्थान को हर प्रकार से अपने पाले में लाने की जुगत में लग गई है। हालांकि सत्तारुढ़ कांग्रेस की गहलोत सरकार भी राज्य की सत्ता को दोबारा अपने पास बरकरार रखने के लिए मेहनत कर रही है। जहां बीजेपी ने पीएम नरेंद्र मोदी को पुष्कर में पहला दौरा करवाकर अपने इरादे जता दिए हैं वहीं सीएम अशोक गहलोत राज्य के लोगों को कई लोक लुभावन वादे पूरे करने की बात करके अपनी सरकार को लाभ दिलाने की योजना बना ली है। दोनों प्रमुख पार्टियां जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे अपने तरकश से तीर निकालने शुरू कर देंगे। भाजपा ने अजमेर रैली के जरिए राजस्थान विधानसभा चुनाव और मिशन 2024 पर एक तीर से दो निशाने लगा दिए है। वहीं कांग्रेस भी सत्ता को कायम रखने व लोक सभा चुनाव में सीटों पर कब्जे की तैयारी में लगने को बेताब दिख रही है।

राजस्थान में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं और अगले साल देश में लोकसभा का चुनाव होना है। हाल ही में बीजेपी को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में भाजपा का पूरा फोकस इस साल होने वाले राजस्थान चुनाव पर है। मोदी ने राजस्थान से जनसंपर्क अभियान की शुरुआत कर दी है। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा का पूरा फोकस राजस्थान की सत्ता में वापसी पर है। भाजपा ने पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए अजमेर को चुना है। अगले साल देश में लोकसभा का चुनाव होना है। हाल ही में बीजेपी को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में भाजपा का पूरा फोकस उन राज्यों पर है, जहां इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें एक राज्य राजस्थान भी है। यहां इस साल के अंत (दिसंबर) में चुनाव होना है। बीजेपी ने केंद्र की सत्ता में 9 साल पूरे होने पर देश भर में एक महीने तक जनसंपर्क अभियान को शुरू करने का फैसला किया है। भाजपा का दावा है कि पीएम मोदी की इस रैली में करीब दो लाख लोगों की भीड़ जुट सकती है।

पिछले 8 महीने में पीएम मोदी का राजस्थान का यह छठा दौरा है। राजस्थान चुनाव में कोई कसर न छूटे इसके लिए बीजेपी हर कमी को दूर करना चाहती है। साथ ही भाजपा का फोकस यहां के जातिगत वोटरों पर भी है। अजमेर के आसपास के क्षेत्र में जाट और मुस्लिमों की बड़ी संख्या है। राजस्थान की सियासत में मुस्लिम वोटर कांग्रेस के पक्ष में ही मतदान करते रहे हैं, जबकि कांग्रेस को जाट वोटरों का भी साथ मिलता है। बता दें कि पीएम मोदी अपने अजमेर दौरे के दौरान पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर का दर्शन किया। इसके बाद पीएम मोदी अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली में एक सभा को संबोधित किया। सभा के लिए एक विशाल पंडाल बनाया गया'। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए । इसके अलावा व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भाजपा नेताओं को दी गई है, ताकि पीएम मोदी की सभा को भव्य और आलीशान बनाया जा सके। इस साल अब मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होना बचा है। इनमें राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है, जहां फिलहाल कांग्रेस की सरकार है। इन दोनों राज्यों में इस बार बीजेपी चाहेगी कि वो किसी भी तरह से कांग्रेस से सत्ता छीन सके।

## एक तीर से कई निशाने लगाने को सियासी दल बेकरार

### कांग्रेस के पास सचिन व गहलोत मजबूत ताकत

राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल 14 जनवरी 2023 को खत्म हो रहा है, ऐसे में यहां मध्य प्रदेश के साथ नवंबर-दिसंबर 2023 में चुनाव हो सकता है, राजस्थान में 200 विधानसभा सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 101 सीटें चाहिए। राजस्थान में भले ही गहलोत और पायलट के बीच पिछले 4 साल से तनातनी है, उसके बावजूद कांग्रेस के लिए ये एक ताकत ही है।

### पायलट के गढ़ में सेंध लगाने में जुटी बीजेपी

माना जा रहा है कि पीएम मोदी के अजमेर से अभियान की शुरुआत करने से कांग्रेस को बड़ा नुकसान हो सकता है। बता दें कि कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट अजमेर से ही आते हैं। साल 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पार्टी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसलिए पीएम मोदी की रैली के लिए अजमेर को चुना एक बड़ी वजह माना जा रहा है।

## कर्नाटक में हार से बीजेपी लेगी सबक

कर्नाटक चुनाव नतीजों के बाद ही बीजेपी ने राजस्थान के लिए अपनी रणनीति को अंजाम देना शुरू किया है। वसुंधरा राजे और सतीश पूनिया के बीच तनातनी का असर पार्टी पर पड़ सकता था। इसको देखते हुए पार्टी ने दोबारा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी को लिए सतीश पूनिया पर भरोसा नहीं जताया। मार्च में उनकी जगह चित्तौड़गढ़ से सांसद चंद्र प्रकाश जोशी को राजस्थान बीजेपी का अध्यक्ष बना दिया जाता है और यहीं से वसुंधरा राजे को लेकर पार्टी के रवैये में बदलाव का सिलसिला दिखने लगता है. ये बात और है कि वसुंधरा राजे को लेकर रवैये में जिस तरह से बदलाव आ रहा है, उसे कर्नाटक की हार को देखते हुए बीजेपी की बदली रणनीति के तौर पर सियासी जानकार देख रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कर्नाटक हार ही एक मुद्दा है, जिससे बीजेपी के लिए पार्टी की अहमियत और बढ़ जाती है, दरअसल वसुंधरा राजे का कद राजस्थान में इतना बड़ा है कि बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व चाहकर भी उनकी उपेक्षा चुनाव में नहीं कर सकता है।

## रैली से मिलते हैं संकेत : वसुंधरा राजे ही होंगी बीजेपी का चेहरा

ऐसे तो वसुंधरा राजे के तौर पर बीजेपी के पास राजस्थान में बहुत बड़ा चेहरा है, लेकिन जिस तरह से पिछले 4 साल से राज्य की पार्टी गतिविधियों में वसुंधरा राजे की उपेक्षा होते रही है, उससे ये कयास लगाया जाने लगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी कोई स्थानीय चेहरा घोषित करेगी या फिर पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही चेहरा होंगे। कर्नाटक नतीजों के बाद बीजेपी अपनी रणनीति बदलने को मजबूर हो सकती है। कर्नाटक में बीजेपी की हार का एक प्रमुख कारण यहीं था कि उसके पास केंद्रीय नेता के तौर पर नरेंद्र मोदी चेहरा थे, बीएस येदियुरप्पा के चुनावी राजनीति से अलग होने के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की काट के तौर पर बीजेपी के पास कोई दमदार स्थानीय चेहरा नहीं था, जिसे आगे कर वो चुनाव लड़ पाती, यही वजह है कि राजस्थान में बीजेपी को स्थानीय चेहरे को आगे करने की रणनीति पर बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री ने अजमेर में विशाल रैली कर एक तरह से राजस्थान में पार्टी के लिए चुनाव अभियान शुरू करने का बिगुल बजा दिया। इस रैली में मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थीं। इस दौरान दोनों के हाव-भाव से ये संकेत मिलते हैं कि बीजेपी राजस्थान में कर्नाटक वाली ग़लती नहीं दोहराएगी और इसकी भरपूर संभावना है कि वसुंधरा राजे को ही आगे कर विधानसभा चुनाव के दंगल में उतरेगी। पिछले कुछ सालों में सतीश पूनिया के प्रदेश अध्यक्ष रहने के दौरान जिस तरह का रवैया बीजेपी राज्य इकाई और वसुंधरा राजे का एक-दूसरे के प्रति रहा था, उसकी वजह से अजमेर रैली में सबकी नज़र वसुंधरा राजे पर टिकी थी। हालांकि जो जेस्चर वसुंधरा राजे का रहा, ये बीजेपी के लिए सकारात्मक संदेश है। कुछ वक्त पहले तक ये भी कहा जाता था कि वसुंधरा राजे को लेकर शीर्ष नेतृत्व का व्यवहार रुखा-सूखा रहा है। लेकिन अजमेर रैली में जिस तरह की तस्वीर दिखी, उससे एक संकेत मिला है कि अब वसुंधरा राजे ही पार्टी का चेहरा होंगी। इस रैली में पीएम मोदी ने हाथ जोड़कर वसुंधरा राजे का अभिवादन भी स्वीकार किया और दोनों नेताओं के बीच कुछ देर बातचीत भी हुई। अजमेर रैली में एक और बदलाव देखने को मिला। 2018 में राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार होती है। उसके बाद सितंबर 2019 में अंबर से बीजेपी विधायक सतीश पूनिया यहां वसुंधरा राजे के न चाहने के बावजूद पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बनते है। सतीश पूनिया इस साल मार्च तक इस पद पर रहते हैं। 2018 में बीजेपी की हार के बाद से ही वसुंधरा राजे राजनीतिक तौर से कम सक्रि य दिख रही थीं। सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद बीजेपी की प्रदेश स्तरीय राजनीति में वसुंधरा राजे हाशिये पर थीं। इस दौरान बीजेपी राज्य इकाई के कार्यक्रमों के दौरान कई बार वसुंधरा राजे नहीं दिखीं। इसके साथ ही राज्य में बीजेपी के होर्डिंग और पोस्टरों से भी वसुंधरा राजे गायब हो गई थीं। लेकिन 31 मई को अजमेर रैली के दौरान वसुंधरा राजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ठीक बगल में बैठी दिखाई दीं। रैली के लिए लगाए गए होर्डिंग और पोस्टरों में भी वसुंधरा राजे हर जगह नज़र आ रही थी। अजमेर रैली के दौरान जो बदला-बदला माहौल था, उससे साफ संकेत मिल रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी वसुंधरा राजे को कमान सौंप सकती है।

## गहलोत लगातार लोकलुभावन घोषणाएं कर रहे हैं

अशोक गहलोत ने 31 मई को बड़ा चुनावी दांव चलते हुए राज्य के हर लोगों के लिए पहली 100 यूनिट बिजली फ्री करने की घोषणा की, इसमें साफ किया गया कि चाहे बिजली बिल कितना भी आए, पहले 100 यूनिट का कोई भी शुल्क किसी से नहीं वसूला जाएगा। एंटी इनकंबेंसी से निपटने और सचिन पायलट से मनमुटाव के असर को कम करने के लिए अशोक गहलोत लगातार लोकलुभावन योजनाओं का ऐलान कर रहे हैं। इस साल के बजट में भी ऐसी की घोषणाएं की गई थी, जिनमें कई नए जिले बनाने और महिलाओं को स्मार्ट फोन देने जैसी योजनाएं भी शामिल हैं। इस बीच कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच तकरार को दूर करने के लि पहले से ज्यादा सक्रिय दिख रहा है, यही वजह है कि कुछ दिनों पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने गहलोत-पायलट के साथ दिल्ली में बैठक की थी। ऐसे भी अशोक गहलोत ये बात समझ चुके हैं कि चाहे कुछ हो सचिन पायलट के सामने चुनाव में कांग्रेस के साथ बने रहने के अलावा कोई और बेहतर विकल्प नहीं है। राजस्थान में सचिन पायलट युवा नेता के तौर पर काफी लोकप्रिय हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है, इसके बावजूद उन्हें ये एहसास है कि बीजेपी में जाने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि बीजेपी की जो परंपरा और नीति है, उसके तहत हिमंत बिस्वा सरमा को छोड़ दें तो बाहर से आए लोगों को इतनी जल्दी मुख्यमंत्री बनाने का रिकॉर्ड नहीं रहा है. अलग पार्टी बनाना भी उनके लिए आसान नहीं होगा। अपनी उम्र को देखते हुए उन्हें ये भी एहसास होगा कि कांग्रेस में रहते हुए ही वे राज्य के मुख्यमंत्री कभी न कभी बन ही सकते हैं।

## अजमेर से 8 लोकसभा व 64 विधान सभा सीटों पर नजर

**प्रधानमंत्री मोदी के इस सभा के जरिए बीजेपी अजमेर के आसपास की आठ लोकसभा सीटों को भी साधने में जुटी है। इन आठ लोकसभा क्षेत्रों में 64 सीटें आती हैं। हालांकि, बीजेपी का पूरा फोकस करीब 45 विधानसभा सीटों पर हैं, जो अजमेर से बिल्कुल नजदीक हैं। पीएम मोदी की रैली के लिए आठ लोकसभा और 45 विधानसभा क्षेत्र के लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इन 45 विधानसभा सीटों में से भाजपा के पास 20 सीटें हैं। इसके अलावा 20 सीटें कांग्रेस के पास है और बाकी सीटें अन्य दलों के पास है।**

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# आमजन का कानून आम भाषा में लिखे जाएं

> जब नेपोलियन ने कहा था कि 'फ्रांस के पास एक संक्षिप्त और स्पष्ट संविधान होना चाहिए' तो उनके विदेश मंत्री चार्ल्स मौरिस द टेलिरैंड ने जवाब दिया था, 'नहीं श्रीमान, यह लंबा और अस्पष्ट होना चाहिए। आखिरकार उन्हीं की चली। कुछ संविधान विशेषज्ञ मानते हैं कि संविधान में अस्पष्टता जानबूझ कर रखी जाती है ताकि राज्य के विभिन्न संस्थानों में टकराव और द्वंद्व न हो। माइकल फौली ने अपनी किताब 'साइलेंस ऑफ कॉन्स्टिट्यूशन' में लिखा है कि अपरिभाषित क्षेत्र एक झाड़ी की तरह है, जो टकराव को रोकता है।

*हाल ही में कानून को सरल भाषा में लिखे जाने की बात चर्चा में आई थी। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने भी अदालतों की कार्रवाई का सीधा प्रसारणा करवाने व उनकी भाषा आम लोगों के हिसाब से रखने की बात कही थी। हांलाकि इस ओर कुछ काम होना शुरू हुआ है पर वह अभी ऊंट के मुंह में जीरा के समान ही है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने भी इस पर जोर देते हुए कहा है कि इससे बेवजह विवाद या न्यायिक हस्तक्षेप की आशंका बहुत घट जाती है। साथ ही, इससे न्यायपालिका के हद से बाहर जाने की संभावना भी कम रहती है। 'जितना ज्यादा अपरिभाषित क्षेत्र विधान बनाने के समय रह जाता है, न्यायिक व्याख्या की गुंजाइश उतनी ज्यादा होती है।' गृहमंत्री का कहना सही है कि कानून सरल और साफ शब्दों में लिखे जाने चाहिए। लेकिन विधि की भाषा अक्सर दुरूह और प्राचीन होती है। जो शब्द प्रयोग किए जाते हैं, वे बहुत तकनीकी और जटिल होते हैं।*

*अजीब विडंबना है कि जिस आम आदमी के लिए कानून बनाया जाता है, वही उसे समझ नहीं सकता, पर यह स्थिति बेवजह नहीं होती। अस्पष्टता केवल अदालत को ही शक्ति नहीं देती, जिसे इसकी व्याख्या करनी होती है। कार्यपालिका को भी इसका लाभ मिलता है, जो कानून को सुविधानुसार लागू करती है। जब नेपोलियन ने कहा था कि 'फ्रांस के पास एक संक्षिप्त और स्पष्ट संविधान होना चाहिए' तो उनके विदेश मंत्री चार्ल्स मौरिस द टेलिरैंड ने जवाब दिया था, 'नहीं श्रीमान, यह लंबा और अस्पष्ट होना चाहिए। आखिरकार उन्हीं की चली। कुछ संविधान विशेषज्ञ मानते हैं कि संविधान में अस्पष्टता जानबूझ कर रखी जाती है ताकि राज्य के विभिन्न संस्थानों में टकराव और द्वंद्व न हो। माइकल फौली ने अपनी किताब 'साइलेंस ऑफ कॉन्स्टिट्यूशन' में लिखा है कि अपरिभाषित क्षेत्र एक झाड़ी की तरह है, जो टकराव को रोकता है। दरअसल, टकराव मूल रूप से सत्ता का खेल है। जरूरी नहीं कि यह सिर्फ अस्पष्टता के कारण हो। सेकंड जजेज केस न्यायालय का अपनी लक्ष्मणरेखा से बाहर जाने का सबसे बड़ा प्रमाण है, जिसमें शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति का अधिकार न्यायिक व्याख्या के जरिए कार्यपालिका से छीन लिया। लेकिन इसका उलटा भी उतना ही सच है। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट फैसले और निर्देश भी सरकार लागू नहीं करती जब तक कि अवमानना याचिका दायर न हो। अत: सरकार की जिम्मेदारी है कि वो ऐसी व्यवस्थ करे ताकि उसके, न्यायपालिका के कोई भी निणर्य आमजन की भाषा में हो ताकि इससे आम लोगों को लाभ मिल सके।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

## संपादक को पत्र...

सम्पादक जी, मैंने कई तरह के अखबार पढ़े हैं, लेकिन आपका अखबार एकदम अलग लगा। आपका अखबार हर खबर की तह तक जाता है। इसमें आप हर बात को बड़ी सच्चाई के साथ पेश करते हैं। आपके अखबार का नाम भी अलग है। वाकई 4 पीएम से हमेशा अलग खबरें ही मिलती हैं हर रोज। साथ ही इस 4पीएम कॉम्पेक्ट होने के कारण कहीं भी आसानी से पढ़ सकते हैं। इस 8 पेज के अखबार में सभी चीजें मिल जाती हैं जैसे एक बड़े अखबार में होता है। आपके यहां के कालम अजब-गजब, ट्विट, व चुटकुले बहुत अच्छे हैं। इसके साथ कहानियां, खेल व आम समाचार समाज में घट रहीं घटनाओं के साथ राजनीति कुल मिलाकर गंभीर खबरों के साथ रोचक भी है आपका अखबार।

–सुमित श्रीवास्तव , चिनहट

---

सर, मैंने पहले जबसे आपका अखबार पढ़ा है कोई और अखबार पढ़ने का मन नही करता है। मुझे व्यक्तिगत तौर पर यह अखबार सबसे अच्छा लगा। सबसे अलग तरह की खबरें मिलती है 4 पीएम में। खासकर अखबार की जो लिखने की शैली है वो सभी और अखबारों से एकदम अलग है। साथ ही सभी खबरों की हेडलाइन काफी आकर्षक होती हैं। आपके अबखार का जो स्लोगन है जिद सच की वह आपकी खबर के हिसाब से एकदम सटीक हैं। आपका अखबार एकदम सच्ची खबरे प्रकाशित करता हैं। बिना किसी के डर के। ऐसे अखबार को मेरा शत-शत प्रणाम।

-लोकेश, विकासनगर

# विदेशों में सराहे गए नेताजी के काम

फ्रैंक हुज़ूर

एक इंसान की जिंदगी के कई पहलू हो सकते हैं। इसमें आम पहलू तो सबको पता होता है लेकिन कुछ अनछुए पहलू ऐसे होते हैं जो कभी आम नहीं हुए होते। एक बिजनेसमैन की जिंदगी के अलग पहलू हो सकते हैं तो एक कलाकार के अलग पहलू। किसी के पास सिर्फ एक ही पहलू हो सकता है तो किसी के पास कई पहलू। लेकिन एक नेता की जिंदगी के दो पहलू बहुत खास होते हैं। एक तो यह कि वह सार्वजानिक जीवन में क्या कर रहा है और दूसरा यह कि उसकी निजी जिंदगी कैसी है! जब एक इंसान अपनी जिंदगी को सामाजिक न्याय को स्थापित करने के लिए आंदोलन की राह पकड़कर राजनीति की मंजिल तय करता है तो उसकी निजी जिंदगी कहीं गुम सी हो जाती है और उसकी राजनीतिक जिंदगी उसके व्यक्तित्व पर हावी हो जाती है। आगे चलकर यही राजनीतिक जिंदगी उसकी पहचान बनती है।

इस बात को अंग्रेजी के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक फ्रैंक हुजूर ने बड़ी ही शिद्दत से महसूस किया और पाया कि सार्वजनिक जीवन जी रहे एक व्यक्ति की राजनीतिक जीवनी बहुत सारे अनछुए पहलू भी सामने आ सकते हैं। इसी सिलसिले में फ्रैंक हुजूर ने 'नेताजी' के नाम से मशहूर राजनेता धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक जीवनी लिखने की परिकल्पना को साकार किया। इसके लिए उन्हें नेताजी से जुड़े बेशुमार लोगों से मिलना पड़ा और उनसे उन अनछुए पहलुओं पर बात करनी पड़ी जिनके बारे में भारत का राजनीतिक तबका भी ज्यादा कुछ नहीं जानता। जब यह किताब तैयार हुई तो फ्रैंक ने इसका शीर्षक रखा 'सोशलिस्ट: मुलायम सिंह यादव'। यह किताब मूलत: अंग्रेजी में है जिसका अनुवाद किया है नीरज कुमार ने। हिंद युग्म प्रकाशन से छपी इस किताब की प्रस्तावना लिखने वाले अमेरिका के अटलांटा में स्थित सीएनएन के वरिष्ठ पत्रकार रहे मरहूम जिम सदरलैंड कहते हैं कि 'मेरे हिसाब से यही सही वक्त है जब सोशलिस्ट (एक समाजवादी) जैसी किताब लिखी जा रही है। कैसे देश के पिछड़े इलाके में भाषा पढ़ाने वाला एक मास्टर ऐसी ताकत बन जाता है और जो कामगारों की बेहतरी, उनकी हालत सुधारने और उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाकर दुनिया के सामने अपने राज्य को एक उदाहरण के तौर पर पेश करता है। हम उनके उदाहरण से सबक ले सकते हैं और इसे दुनिया के तमाम देशों में पिछड़े समाज की बेहतरी के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।' जिस सदरलैंड की यह बात निश्चित रूप से एक राजनीतिक सीख की तरह है। क्योंकि आज का राजनीतिक माहौल जिस तरह से कुत्सित हो गया है और सामाजिक समरसता का ताना-बाना छिन्न-भिन्न हो गया है, देश में सांप्रदायिकता अपने चरम पर है, ऐसे में नेताजी की राजनीतिक जिंदगी इस समाज का मार्गदर्शन कर सकती है। आज केंद्र में विपक्ष जैसी किसी ताकत की कल्पना करना भी नामुमकिन नजर आ रहा है। लेकिन नेताजी कहते थे कि विपक्ष ही लोकतंत्र का दिल होता है। यानी उनका मानना था कि बिना विपक्ष के लोकतंत्र एक तानाशाही प्रवृत्ति अख्तियार कर लेता है जो आम जनता के लिए बहुत घातक सिद्ध होता है। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि जो नेताजी हमेशा हिंदी की वकालत करते रहे (नेताजी अंग्रेजी के खिलाफ नहीं थे) उनकी जीवनी जब फ्रैंक हुजूर ने लिखी तो अमेरिकी बड़ी अंग्रेजी मीडिया कंपनी सीएनएन के वरिष्ठ पत्रकार जिम सदरलैंड ने इस किताब की प्रस्तावना लिखी। इससे यह बात भी साबित होती है कि नेताजी की शख्सियत दुनिया में सराही जा रही है और लोग उनकी राजनीति को भारत के लिए बेहद जरूरी मान रहे हैं। तभी तो ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में रहने वाले विवेक ग्लेनडेनिंग उमराव मानते हैं कि 'जनता और मीडिया द्वारा जिस तरह रूस में लेनिन का मान-सम्मान किया जाता है, ठीक उसी तरह मुलायम सिंह को भी भारत में जनता और मीडिया द्वारा मान-सम्मान दिया जाना चाहिए था।' जाहिर है, समाजवाद की राह पर चलकर ही जातिवादी क्रूरता को खत्म किया जा सकता है क्योंकि भारतीय समाज में जाति-व्यवस्था के कारण ही योग्यता और प्रतिभा को अब तक अच्छी तरह से सहेजा ही नहीं जा सका है। क्या ही अफसोस की बात है कि नेताजी के

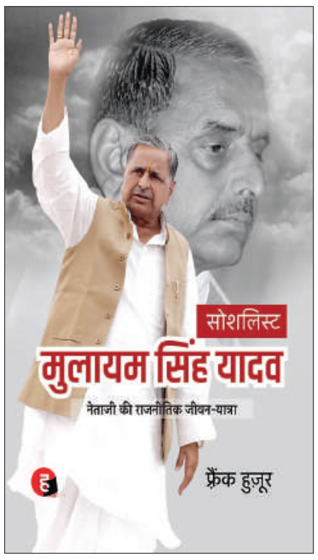


इस दुनिया से चले जाने के बाद उनकी राजनीतिक जीवनी हमारे बीच आई है। यह तो समय का चक्र है। समय का चक्र तो नेताजी का भी था जो गांव से शुरू होकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने से होते हुए देश का रक्षा मंत्री बनने तक पहुंचा।

समाजवादी आंदोलन के प्रखर योद्धा 'धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव' का इस दुनिया से जाना देशभर के समाजवादियों के लिए एक बड़े दुख का दिन था जब 10 अक्टूबर 2022 की सुबह 82 वर्ष की उम्र में उनका देहांत हुआ। हम सब उन्हें नेताजी के नाम से भी जानते हैं। भारत की राजनीति में एक बड़ी ही लंबी पारी खेलने वाले नेताजी कुल 9 बार विधायक रहे, 7 बार सांसद रहे, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के 3 बार उत्तर मुख्यमंत्री रहे और एक बार वो देश के रक्षामंत्री भी रहे। नाम से मुलायम मगर अपने राजनीतिक फैसलों के लिए उतने ही सख्त नेताजी ने कभी भी विपरीत हालात से समझौता नहीं किया। यही अदा उन्हें भारतीय राजनीति में एक कद्दावर शख्सियत की पहचान दिलाती है। हर हाल में गरीबों, पिछड़ों और वंचितों की लड़ाई लड़ने की पहचान। और इसी पहचान को अपनी लेखनी में शामिल करते हुए वरिष्ठ पत्रकार और लेखक फ्रैंक हुजूर ने नेताजी की राजनीतिक जीवनी लिखने की ठानी जो अब 'सोशलिस्ट : मुलायम सिंह यादव' के रूप में आपके सामने है। इस किताब के छपते ही ढाई-तीन महीने में ही इसके पहले एडिशन का बिक जाना इस बात की गवाही देता है कि नेताजी को बड़ी शिद्दत से चाहनेवाले लोग हैं। बिहार के बक्सर में जन्मे फ्रैंक हुजूर मूलत: अंग्रेजी के लेखक और जर्नलिस्ट हैं। राँची के संट जेवियर्स, और दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से शिक्षा प्राप्त फ्रैंक अपनी इंगलिश पोएट्री और ड्रामा (हिटलर इन लव विथ मैडोना) से चर्चित हुए। इसके बाद इन्होंने नाटक 'ब्लड इज बर्निंग' और 'स्टाइल है लालू की जिंदगी' लिखा। मात्र बीस वर्ष की उम्र में अंग्रेजी मैगजीन 'यूटोपिया' के संपादक बनने वाले फ्रैंक ने प्रख्यात क्रिकेटर और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की राजनीतिक जीवनी 'इमरान वर्सेस इमरान: दी अनटोल्ड स्टोरी' भी लिखी है। मुलायम सिंह की राजनीतिक जीवनी 'सोशलिस्ट: मुलायम सिंह यादव' लिखने के बाद फ्रैंक अपने पहले नॉवेल पर काम कर रहे हैं। फ्रैंक का यह शानदार लेखकीय सफर यह साबित करता है कि उनकी किताबें कितनी गहराई लिए होंगी। ऐसे में देशभर के सुधी पाठकों के लिए 'सोशलिस्ट: मुलायम सिंह यादव' किताब को पढ़ा जाना बेहद जरूरी हो जाता है। किसी भी व्यक्ति की जीवनी का आधार उसकी जड़ों में ही निहित होता है।

इसलिए राजनीतिक जीवनी को जानने-समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि नेताजी की जड़ें कहां से लगती हैं और किस तरह वह राजनीति में आकर एक बड़े राज्य का मुख्यमंत्री बने। नेताजी का जन्म 22 नवंबर 1939 को उत्तर प्रदेश के सैफई गांव में एक यादव परिवार में हुआ था जो कि एक किसान परिवार था। जैसे-तैसे पढ़ाई पूरी करके वो अध्यापक तो बन गए लेकिन शरीर से इस पहलवान का मन पढ़ाने में नहीं लगा और राम मनोहर लोहिया के विचारों के प्रभाव में आकर महज 21 साल की छोटी उम्र में मुलायम ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत कर दी। हालांकि राजनीति में कदम रखने के साथ ढेर सारी मुश्किलें उनकी जिंदगी पर हावी होती चली गईं लेकिन उन्होंने कभी पीछे पलटने के बारे में नहीं सोचा। हमेशा अपनी जड़ों से जुड़े रहे और 51 की उम्र में पहली बार 1989 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए और आखिरी सांस तक अपनी जन्मभूमि को नहीं छोड़ा। लोगों को जरा-सी प्रसिद्धि क्या मिलती है वो सब कुछ पीछे छोड़कर आगे बढ़ने लगते हैं। लेकिन मुलायम ऐसे राजनेता नहीं थे, बल्कि वो तो जननायक थे और किसानों, पिछड़ों और गरीबों की आवाज बुलंद करते रहते थे। इसीलिए पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने मुलायम को 'नन्हे नेपोलियन' के खिताब से नवाजा था। नेताजी के समकक्षों ने इस किताब में दर्ज अपने साक्षात्कारों में यह बताया है कि समाजवाद की सशक्त आवाज और देशहित के लिए शानदार नीतियां बनाने वाले नेताजी की जिंदगी राजनीतिक आदर्शों की एक बहुत बड़ी मीनार है जहां से सांप्रदायिक सौहार्द से ओतप्रोत एक खूबसूरत हिंदुस्तान दिखाई देता है। भारतीय राजनीति के अक्षयकोष नेताजी समाजवादी सोच एवं निडर शख्सीयत थे जिसने गांव-समाज की राजनीति को सत्ता की कुर्सी पर ला बिठाया। लोहिया के सिपाही नेताजी के दिल में हमेशा गांव, खेती-किसानी, हिंदी भाषा को लेकर मुहब्बत बनी रही और यही वजह है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में नेताजी के साहस के चलते ही आज सामाजिक रूप से पिछड़े और गरीबों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिखाई दे रहा है। लेकिन इस प्रतिनिधित्व को जिस तरह से खत्म करने की साजिश चल रही है, उसमें फिर से नेताजी की जिंदगी प्रासंगिक बनके उभरती है। यह किताब इसी बात को जगह-जगह रेखांकित करती है कि आज देश में नेताजी जैसी शख्सियत की कितनी जरूरत है।

**समीक्षक : वसीम अकरम**

# गर्मियों में इन नुस्खों से पेट की समस्या से मिलेगी राहत

## अनानास

अगर आपका खाना जल्दी नहीं पचता है, तो आपको अनानास का सेवन जरूर करना चाहिए। इस फल में ब्रोमेलैन नामक तत्व होता है, जो प्रोटीन को पचाने वाले एंजाइमों का एक संयोजन है। यह पेट को दुरुस्त रखता है।

## एवाकाडो

इस फल में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है और यही वजह है कि पेट और आंतों में जमा अपशिष्ट यानी गंदगी को खत्म करने और साफ करने का काम करता है।

## सौंफ के बीज

सौंफ के बीज पाचक रस और एंजाइम के उत्पादन को बढ़ावा देकर पाचन को मस्त और दुरुस्त करते हैं। यह भोजन को तोड़ने और एसिड रिफ्लक्स को रोकने में भी सहायक है। इसमें कई पोषक तत्व, खनिज और विटामिन है जो स्वास्थ्य लाभदायक है। यह अपचन को दूर करती है और इसका प्रयोग दस्त, पेट का दर्द और सांस की बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है।

## अदरक

अदरक में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो एसिड रिफ्लक्स के लक्षणों को दूर करने में मदद कर सकते हैं। पेट और आंत की समस्याओं से राहत पाने के लिए अदरक का सेवन विभिन्न रूपों में कर सकते हैं जैसे अदरक की चाय या जिंजर कैंडी। पोषक तत्वों और बायोएक्टिव यौगिकों से भरा हुआ अदरक इंसान के आपके शरीर और दिमाग के लिए लाभकारी होता है।

गर्मियों का मौसम जारी है और इस मौसम में बहुत से लोगों को कम भूख लगती है। इतना ही नहीं, इन दिनों बहुत से लोग गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग से परेशान रहते हैं। जाहिर है चिलचिलाती गर्मी, पसीना, तेज धूप पाचन सिस्टम को बिगाड़ कर रख देते हैं। अक्सर देखा गया है कि गर्मियों में खाना कम खाते हैं और पानी या तरल पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं। अक्सर देखा गया है कि इस सीजन में सीने में भयंकर तेजाब बनता है, खाया-पिया जल्दी हजम नहीं होता है, खुलकर डकार नहीं आती है।

## कैमोमाइल टी

कैमोमाइल टी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो एसिड रिफ्लक्स के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। सोने से पहले एक कप कैमोमाइल चाय पिएं। इससे आपको पेट की दिक्कतों से आराम मिलेगा। यह चाय इंसटैंट स्ट्रेस रिलीफ देती है और पहली सिप के साथ ही आपको इसका असर दिखने लगेगा। यह बॉडी को डीटॉक्सीफाई करने, डाइजेशन ठीक करने, मेटाबॉलिज्म सुधारने और नर्वज को शांत रखने में मददगार हो सकती है।

## खीरा

गर्मियों के लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन खीरा है। खीरे में पानी की मात्रा अधिक होती है और यह प्रकृति में क्षारीय होता है, जो पेट के एसिड को बेअसर करने और एसिडिटी को कम करने में मदद कर सकता है। ऐसे में रोज खीरा खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और शरीर में पानी की कमी नहीं होती है।

## हंसना मना है

पति - जब मैं अच्छे कपड़े पहन कर बाजार जाता हूं, तो सब्जी वाले सब्जी महंगा देते हैं और जब गंदे कपड़े पहन कर जाता हूं तो सस्ती देते हैं...

लड़की अपने ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई...दूसरे दिन.. गर्लफ्रेंड - मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो तुमसे ही करूगा.... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं.....

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थी, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

बंटू- वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर- सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं।

संजू- पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी- किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

## कहानी | तेंदुए का शिकार

भले ही शेखचिल्ली बेवकूफी भरी बातें और कार्य करता था, लेकिन शेखचिल्ली की इसी काबिलियत को देखते हुए झज्जर नवाब शेख फारूख ने उसे अपने यहां नौकरी दे दी। एक दिन नवाब शिकार खेलने के लिए जंगल जा रहे थे। उन्हें शिकार के लिए जाता देख शेख ने कहा, महाराज मैं भी आपके साथ आना चाहता हूं। नवाब ने हंसते हुए उसे समझाया कि तुम वहां नहीं जा सकते हो। तुमने जीवन में कभी किसी चूहे का भी शिकार नहीं किया होगा, तो तुम जंगल चलकर क्या करोगे? झज्जर नवाब से यह सुनकर दुखी आवाज में शेखचिल्ली बोला, आप मुझे अपनी काबिलियत दिखाने का एक मौका तो दीजिए। नवाब ने उसकी जिद देखकर शेखचिल्ली के हाथ में भी एक बंदूक थमा दी। अब सभी एक साथ कालेसर जंगल की ओर बढ़ने लगे। कुछ दूर पहुंचकर सब शिकार का इंतजार करने के लिए अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो गए। नवाब साहब ने शेखचिल्ली को अपने साथ खड़े रहने को कहा। तेंदुए को फंसाने के लिए पेड़ पर एक बकरी को बांध रखा था। फिर भी तीन घंटे तक तेंदुआ वहां आया नहीं। इतने में चिल्लाते हुए शेखचिल्ली ने पूछा कि कहा गया तेंदुआ अब तक आया क्यों नहीं। नवाब के पास में ही खड़े एक शिकारी ने कहा कि तुम चुप रहो। वरना सारा काम बिगाड़ दोगे। इतने में ही शेखचिल्ली मन में ही ख्याली पुलाव पकाने लगा। उसके मन में हुआ कि एक-दो तेंदुए का शिकार करने के लिए इतने सारे लोग यहां आ गए हैं। आए सो आए, लेकिन एक भी तेंदुए को ढूंढने के लिए नहीं गया। सबके सब पेड़ के पीछे छुपकर उसका इंतजार कर रहे हैं। फिर शेख के मन में हुआ कि मेरा बस चले, तो मैं बंदूक लेकर सीधा तेंदुए को ढूंढने के लिए निकल जाऊं। उसे ढूंढकर उसके पीछे-पीछे चुपचाप से चलने लगूंगा और जैसी ही वो मेरे तरफ देखेगा, तो उसका शिकार कर दूंगा। इतना सोचती ही शेख ने खुद से कहा कि वैसे सुना है कि तेंदुए बहुत तेज दौड़ते और बड़ी छलांग भी लगाते हैं। अगर वो मेरे ऊपर चढ़ गया, तो क्या होगा? इस विचार को शेखचिल्ली ने अपने मन से जाने दिया। उसने कहा कि क्या हुआ अगर वो तेज दौड़ता है। क्या मैं उससे कम हूं। जैसे ही वो मेरी तरफ दौड़ेगा। मैं अपनी बंदूक चला दूंगा, लेकिन ऐसे पेड़ के पीछे छुपकर और बकरी की जान को खतरे में डालने से क्या होगा। सब के सब यहां डरपोक हैं। तभी जोर से बंदूक चलने की आवाज आई। आवाज सुनते ही शेखचिल्ली चिल्लाया तेंदुआ मर गया। सब लोग पेड़ के पीछे से बाहर निकल आए। उन्होंने देखा कि बकरी जैसी की तैसी ही पेड़ पर बंधकर घांस खा रही है। कुछ दूर उन लोगों ने नजर दौड़ाई, तो तेंदुए को मरा पाया। सबको लगा कि शेखचिल्ली ने ही तेंदुए का शिकार किया है। सबने शेखचिल्ली को बधाई दी। सबसे वाहवाही मिलने पर शेखचिल्ली खुश हो गया, लेकिन उसे खुद समझ नहीं आया कि आखिर तेंदुआ मरा कैसे।

## 7 अंतर खोजें

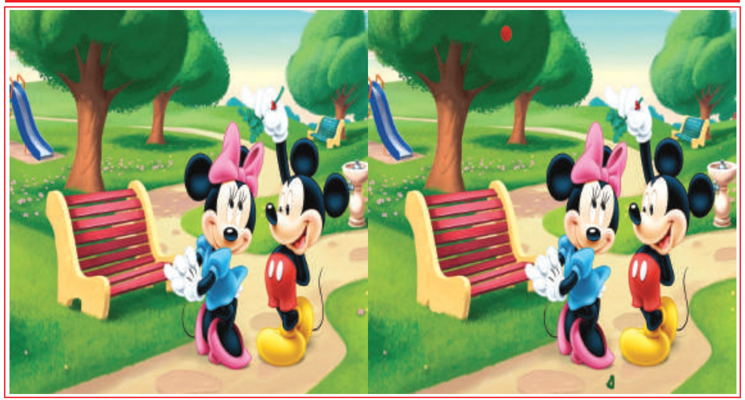

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

**तुला**

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

**वृषभ**

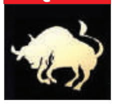

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक**

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

**मिथुन**

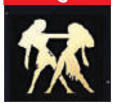

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

**धनु**

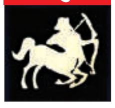

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

**कर्क**

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

**मकर**

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

**सिंह**

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

**कुम्भ**

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

**कन्या**

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

**मीन**

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# मेरा ओवर कॉन्फिडेंस मुझे ले डूबा : नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह बॉलीवुड के सबसे काबिल एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने बहुत कम फिल्मों में अपनी छाप छोड़ी है लेकिन जो भी की हैं, उनमें अब तक नाम बनाकर रख दिया है। वैसे एक्टर को शायद मालूम है कि इंडस्ट्री में वो थोड़े पीछे क्यों रह गए। उन्होंने इस बारे में हाल ही में बात की है। नसीरुद्दीन शाह ने हाल ही में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जर्नी के बारे में बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि अपने करियर के शुरुआती दिनों में वे अपनी कला को लेकर ओवर कॉन्फिडेंट हो गए थे, जिसने बाद में एक एक्टर के रूप में उनके विकास को रोक दिया। शाह ने कहा कि जब वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में थे तब उनकी उम्र 20 साल थी। वह उस वक्त ओवर कॉन्फिडेंट में थे और सोचते थे कि वह उस समय काफी अच्छा कर रहे हैं। उनका यह रवैया था कि उन्हें लीड के तौर पर क्यों नहीं लिया जा रहा है क्योंकि वह इसे बेहतर कर सकते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले यह रवैया धीरे-धीरे गायब हो गया। हस्व में रहने के दौरान, नसीरुद्दीन ने अपने करीबी दोस्त और दिवंगत दिग्गज एक्टर ओम पुरी से मुलाकात की। उस वक्त ओम पुरी बहुत कच्चे, घबराए हुए, शर्मीले और इंट्रोवर्ट टाइप के थे। ओम पुरी तब अलीगढ़ विश्वविद्यालय में परफॉर्म करते थे और वे एनएसडी में बड़े सपने लेकर थे। लेकिन जब तक वे दोनों एनएसडी खत्म कर रहे थे, नसीरुद्दीन को एहसास हुआ कि ओम 3 साल में कितने आगे बढ़ गए हैं। नसीरुद्दीन के लिए यह बहुत परेशान करने वाला विचार था क्योंकि उन्हें लगता था कि जब वे एनएसडी आए थे तब भी वे वहीं थे जहां इसके खत्म होने पर थे। उन्होंने खुद से सवाल किया था, मैं जब यहां आया था तो ऐसी एक्टिंग कर सकता था, तो मैंने क्या सीखा? अब मैं क्या करूंगा? मैं अपनी रोटी कहां कमाने जा जाऊंगा? एनएसडी के बाद, ओम दिल्ली में रहे जबकि नसीरुद्दीन फिल्म इंडस्ट्री में आ गए।

# दीपिका को आई रणबीर की याद

**एक्टर के साथ शेयर किया दस साल पुराना वीडियो**

दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर का अफेयर एक वक्त था बॉलीवुड की सुर्खियों में रहा करता था। दोनों स्टार्स एक-दूसरे के लिए सीरियस थे। लेकिन, बाद में न जाने किसकी नजर इनके रिश्ते को लगी कि दोनों की राहें जुदा हो गईं। लेकिन, हाल ही में दीपिका पादुकोण पुरानी यादों को ताजा करती नजर आई हैं। उन्होंने रणबीर के साथ वाला अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें दीपिका और रणबीर कपूर नजर आ रहे हैं। यह वीडियो एनिमेटिड है। यह वीडियो दरअसल, ये जवानी है दीवानी का है। इस फिल्म की रिलीज को आज दस साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर दीपिका पादुकोण ने यह वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है। दीपिका ने वीडियो शेयर करने के साथ एक मीनिंगफुल कैप्शन भी लिखा है। दीपिका ने फिल्म से लगातार दो-तीन क्लिप शेयर किए हैं। एक वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, पीस ऑफ माय हार्ट, सोल। इस पोस्ट के अलावा एक्ट्रेस ने एक और पोस्ट अपनी इंस्टा स्टोरी से शेयर किया, जिसमें दीपिका और रणबीर का कार्टून बना दिखाई दिया। वीडियो बेहद रोमांटिक अंदाज में बनाई गई थी, जिसमें दोनों को एक दूसरे को माथे से माथा मिलाते हुए दिखाया गया था। इसे भी दीपिका ने अपनी स्टोरी पर जगह दी है। बता दें कि अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित ये जवानी है दीवानी आज भी उतनी ही पसंद की जाती है, जितनी रिलीज के वक्त की गई थी। हाल ही में निर्देशक अयान ने इस फिल्म को लेकर कई बातें साझा कीं। इस दौरान उन्होंने यह भी कुबूल किया कि उन्होंने आज तक अपनी यह फिल्म शुरू से लेकर अंत तक फ्लो में नहीं देखी है। इंस्टाग्राम पर अयान मुखर्जी ने भी फिल्म की यादें शेयर कीं। इसके साथ अयान ने लिखा, ये जवानी है दीवानी मेरा दूसरा बच्चा है। मुझे लगता है इतने सालों के बाद मैं आज कॉन्फिडेंस से कह सकता हूं कि फिल्में बनाना मेरी जिंदगी का सबसे उत्साह भरा काम है।

# ऐसे ही मैं जाती रहूंगी महाकाल मंदिर: सारा

बॉलीवुड | मसाला

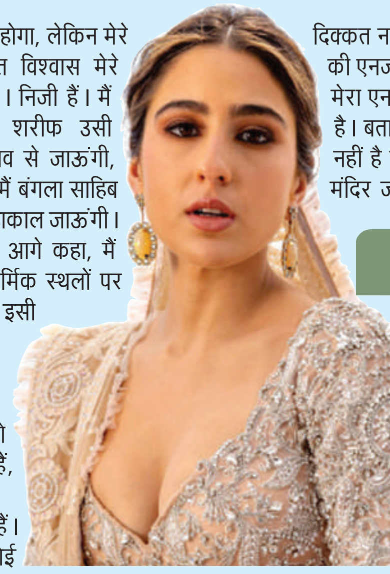

अभिनेत्री सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म जरा हटके जरा बचके को लेकर चर्चा में हैं। सारा इस फिल्म में विक्की कौशल के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज डेट एकदम नजदीक है और दोनों सितारे जमकर फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इस सिलसिले में हाल ही में सारा उज्जैन के महाकाल मंदिर में दर्शन करने पहुंची। इसे लेकर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। इस पर सारा ने चुप्पी तोड़ी है।

सारा अली खान का कहना है, मैं अपने काम को बहुत गंभीरता से लेती हूं। मैं लोगों के लिए काम करती हूं, आपके लिए काम करती हूं। अगर आपको मेरा काम पसंद नहीं आएगा तो मुझे बुरा महसूस होगा, लेकिन मेरे व्यक्तिगत विश्वास मेरे अपने हैं। निजी हैं। मैं अजमेर शरीफ उसी श्रद्धा भाव से जाऊंगी, जिससे मैं बंगला साहिब और महाकाल जाऊंगी। सारा ने आगे कहा, मैं सभी धार्मिक स्थलों पर जाना इसी तरह जारी रखूंगी। लोग जो चाहते हैं, कह सकते हैं। मुझे कोई दिक्कत नहीं है। आपको उस जगह की एनर्जी महसूस करनी चाहिए। मेरा एनर्जी में गजब का विश्वास है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब सारा अली खान को मंदिर जाने पर ट्रोल किया गया हो। बता दें कि आज सारा अली खान ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने भस्म आरती में भी हिस्सा लिया। महिलाओं के लिए भस्म आरती में साड़ी पहनना अनिवार्य है। सारा भी इस मौके पर गुलाबी रंग की साड़ी में नजर आईं। सारा अक्सर महाकाल के इस मंदिर में दर्शन के लिए आती हैं। बता दें कि सारा अली खान इसके अलावा बीते दिनों केदारनाथ भी पहुंची थीं। सारा की भगवान शिव में गहरी आस्था है। अक्सर वह अपने सोशल मीडिया पोस्ट के आखिर में जय भोलेनाथ जयकारा लिखती हैं। बात करें फिल्म जरा हटके जरा बचके की तो यह फिल्म दो जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अजब-गजब | सौ साल से गायब था ये मंदिर, जंगल के बीचों बीच इस हाल में मिला

# देखने वाला कोई इंसान नहीं बचा जिंदा

हाल ही में एक ऐसा गांव लोगों की नजर के सामने आया जो पिछले सौ सालों से गायब था। इस गांव को जंगल ने अपने गिरफ्त में ले लिया था। आज तक जिसने भी इस गांव को देखा था, उसकी जान नहीं बची थी। यानी इस गांव के बारे में लोगों ने सिर्फ कहानियों में सुना था। लोगों का कहना है कि उनके दादा-परदादा इस गांव के बारे में कहानियां सुनाया करते थे। लेकिन उन्हें ये बात नहीं पता थी कि ये गांव सच में है। बताया जाता है कि सौ साल पहले इस गांव में कई वर्कर्स रहते थे। ये सभी माइनिंग इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते थे। लेकिन जब माइनिंग इंडस्ट्री बंद हो गई, तो उन्होंने जगह को छोड़ दिया। धीरे-धीरे इस जगह को पेड़-पौधों ने ढंक दिया। पूरा गांव लोगों की नजर से दूर हो गया। यूके के वेल्स के नटले वैली में बसा है तालीसरन गांव। ये गांव सौ सालों से लोगों की नजर से दूर था। अब जाकर एक बार फिर ये सामने आया। यहां कई मकान के बीच से ही बड़े-बड़े पेड़ उग आए हैं। साथ ही स्टीम इंजन भी मिले जो अब जंग की वजह से खराब हो गए हैं। सोशल मीडिया पर इस गांव की तस्वीरें वायरल हो रही है। इस गांव से एक मंदिर भी मिला है। ये मंदिर कंबोडिया के अंगकोर वट से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। वाइल्ड गाइड वेल्स के लेखक डेनियल स्टार्ट के मुताबिक, इस जगह में बस अब बबून

नहीं रहते। पहले ये जगह रहती थी। कभी ये गांव माइनिंग इंडस्ट्री के कारण रोशन रहता था। लेकिन अब यहां सिर्फ जंग लगे मशीन ही बचे हैं। उस समय पानी खींचने के लिए वॉटर व्हील्स की जगह एक स्टीम इंजन को लाया गया था। ताकि मजदूरों पर ज्यादा भार ना पड़े। सौ साल के बाद इस गांव को जंगल ने अपने कब्जे में ले लिया है। लेकिन इसके मिलने के बाद कई लोगों को ये चिंता है कि जल्द ही इस जगह पर टूरिस्ट्स की भीड़ लग जाएगी। इससे ये जगह अपनी खासियत को खो देगी। ये गांव वेल्स की घाटियों में काफी अंदर छिपा हुआ था। इसके बाहर आज भी काफी लोग रहते हैं। लेकिन इस प्राचीन गांव के बारे में सिर्फ किस्से-कहानियां ही बची थी। भले ही ये गांव लोगों की नजर से दूर था लेकिन आज इसकी खूबसूरती के चर्चे दूर-दूर तक हैं। कई लोग अब इसकी खूबसूरती देखने आ रहे हैं। इस जगह पर आने के बाद ऐसा अहसास होगा जैसे समय कहीं रुक गया है। हर कुछ सौ साल पहले की नजर आएगी।

# स्पेस में इतना बड़ा छेद, समा सकते हैं 8 सौ सूरज, धरती को निगला तो नहीं लेगा डकार

इंसान काफी समय से स्पेस पर नजर रखे हुए है। स्पेस की हर एक्टिविटी पर स्पेस एजेंसीज नजर रखती है। इसकी वजह है स्पेस से धरती का कनेक्शन। अगर स्पेस में कुछ भी होता है तो उसका असर धरती पर भी नजर आता है। स्पेस के मिल्कीवे गैलेक्सी में हुए छेद से धरती का टेम्पीचर टेम्प्रेचर प्रभावित होता है। स्पेस एजेंसी नासा ने पाया है कि स्पेस में कई लाख छेद हो चुके हैं। इसका जिम्मेदार धरती पर हो रहा प्रदुषण है। लेकिन अब जो छेद पाया गया है वो इतना बड़ा है कि उसके अंदर आठ सौ से अधिक सूरज समा जाए। नासा ने पाया कि इस छेद में सूरज जैसे करीब आठ सौ तारे समा सकते हैं। लेकिन ये छेद इंसानी आंख से देख पाना नामुमकिन है। नासा के मुताबिक, मेसियर 4 नाम के तारों के इस सामूह में हजारों तारे मौजूद है। ये धरती से करीब 6 हजार लाइट ईयर की दुरी पर है। तारों के इस समूह पर नासा ने अपने हबल स्पेस टेलिस्कोप से नजर रखी, जिसमें साइंटिस्ट्स को बड़ा-सा छेद नजर आया। स्पेस टेलिस्कोप साइंस इंस्टीट्यूट के Eduardo Vitral इस टेलिस्कोप को ऑपरेट करते हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह की चीजें बिना हबल के नजर नहीं आ सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि सिर्फ मिल्की वे गैलेक्सी में ही सौ मिलियन से ज्यादा ब्लैक होल्स मौजूद हैं। लेकिन ये ब्लैक होल आम नहीं है। ये अब तक का दिखा सबसे बड़ा होल है। ब्लैक होल्स के अंदर काफी तेज गुरुत्वाकर्षण होता है। कहा जाता है कि ये इतना स्ट्रांग है कि इसके अंदर से लाइट भी एस्केप नहीं कर पाता। रिसर्चर्स ने मेसीयर 4 के तारों पर बारह साल से नजर रखी थी। अब इसके अंदर एक इतना बड़ा छेद नजर आया है। इस रिसर्च को हाल ही में Royal Astronomical Society के मंथली नोटिसेस में पब्लिश किया गया। इसमें ये भी पता चला कि इन होल्स की ग्रेविटी काफी तेज है, जिससे किसी भी चीज का बच पाना मुश्किल है।

# बेहूदा टिप्पणियों से देश की छवि खराब होती है : भागवत

## बिना नाम लिए राहुल गांधी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बिना नाम लिए राहुल गांधी की कड़ी आलोचना की है। राहुल गांधी के विदेश में मोदी सरकार की खिलाफत को लेकर भागवत ने तंज कसा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि इस तरह की बेहूदा टिप्पणियों को आम लोग करीब से देख रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इस वक्त अमेरिका में हैं, जहां उन्होंने एक कार्यक्रम में भारत के लोकतंत्र पर कहा कि वहां पूरा विपक्ष संघर्ष कर रहा है। दरअसल राहुल ने कहा था कि भारत में अगर कोई विपक्ष सरकार के खिलाफ बोलने की कोशिश करता है तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता है। इसके साथ ही राहुल ने विशेष धर्म के लोगों के हक को लेकर भी सवाल खड़े किए थे।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसी ताकतें भारत देश की छवि को खराब करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, हमें ऐसा मौका किसी को नहीं देना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस तरह का काम एक व्यक्ति के अहंकार का परिणाम है। भागवत यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय वर्ष के अधिकारी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओटीसी) के समापन समारोह में बोल रहे थे।

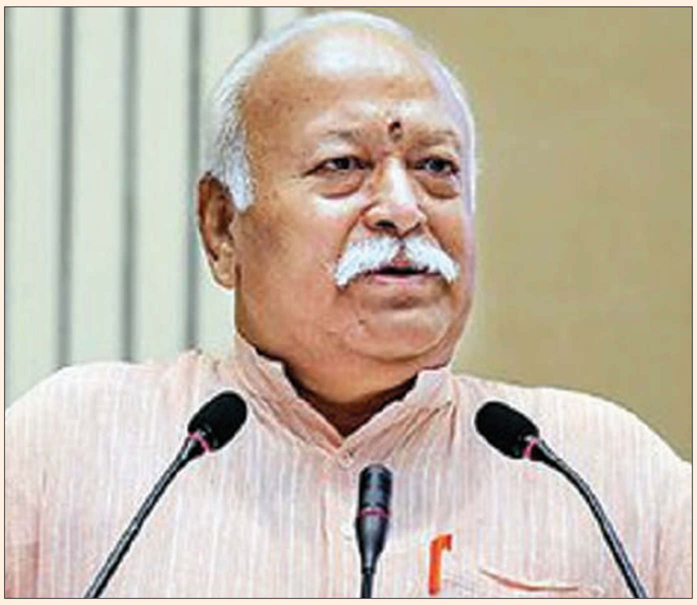

### राजनीति की होनी चाहिए एक सीमा

भागवत ने कहा, यह एक लोकतंत्र है, राजनीतिक दलों के बीच हमेशा सत्ता की होड़ लगी रहती है, लेकिन राजनीति की एक सीमा होती ह, वे एक-दूसरे की जितनी चाहें उतनी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन उनके पास विवेक होना चाहिए कि वे उस प्रशंसक को न जाने दें। मराठा सम्राट शिवाजी के हिंदवी स्वराज को याद करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि शिवाजी और संभाजी समेत सैकड़ों आम लोगों ने आत्म-शासन के लिए बलिदान दिया। उन्होंने अपना पूरा जीवन संघर्ष में लगा दिया, हमारे प्राचीन मूल्यों को फिर से जीवंत करना महत्वपूर्ण ह, हिंदवी राज की उनकी दृष्टि को हम हिंदू राष्ट्र कहते हैं।

### एकता और अखंडता को नहीं पहुंचना चाहिए नुकसान

मोहन भागवत ने किसी दल या व्यक्ति का नाम लिए बगैर कहा कि वे आपस में लड़ने में इतने व्यस्त हैं कि वास्तव में देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जी20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता की प्रशंसा करते हुए भागवत ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रवाद पर कोई समझौता नहीं हो सकता और उन्होंने भावनात्मक अखंडता का आह्वान किया। उन्होंने भारत सदियों से मुसलमानों की परंपराओं और इबादत के तरीकों का संरक्षण करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे अतीत का बोझ कुछ के अहंकार के साथ मिलकर हिंदू-मुस्लिम समुदायों को अपनी एकता दिखाने से रोक रहा था। ऐसे मामलों में बातचीत ही एकमात्र रास्ता था। सभी के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि अलग पहचान पर जोर न दें, राष्ट्रीय पहचान को एकीकृत तौर पर स्वीकार करें।

### सभी भारतीयों के पूर्वज एक ही हैं

मोहन भागवत ने कहा, जिस देश के लोगों ने संतुलन और राष्ट्रवाद की भावना खो दी है, जो कयामत से मिला है। उन्होंने कहा कि इस्लाम भारत में उन आक्रमणकारियों द्वारा लाया गया, जिन्होंने कुछ समय के लिए शासन किया और फिर छोड़ दिया। जो लोग इस विश्वास का पालन करते हैं, उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि सभी भारतीयों के पूर्वज एक ही हैं।

# अंत में पहलवानों की होगी जीत : मेनका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

## पूरा विश्वास मिलेगा न्याय

नई दिल्ली। बीजेपी की सांसद मेनका गांधी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि यौन शोषण के आरोपों को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे प्रदर्शनरत पहलवानों को न्याय मिलेगा। मेनका एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यहां आयी थीं, पत्रकारों से पहलवानों के मुद्दे पर एक सवाल के जवाब में लोकसभा सदस्य ने कहा कि मुझे विश्वास है कि अंत में उन्हें न्याय मिलेगा।

साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट जैसे शीर्ष पहलवानों ने बीजेपी सांसद बृजभूषण पर एक नाबालिग समेत महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाया है। ये सभी पहलवान मंगलवार को गंगा नदी में अपने पदक बहाने गए थे लेकिन खाप और किसान नेताओं के मनाने पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। किसान नेताओं ने उनसे मुद्दे को सुलझाने के लिये पांच दिन का समय मांगा है। मेनका प्रख्यात पशु अधिकार कार्यकर्ता भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर नसबंदी उचित तरीके से होती है तो श्रीनगर शहर में आवारा कुत्तों की समस्या खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जब हम वनों की कटाई रोक देंगे तो मनुष्य-पशु संघर्ष खत्म हो जाएगा। अगर आप उचित, अनुशासित तरीके से नसबंदी शुरू करते हैं तो शहर में एक साल में इंसानों और कुत्तों के बीच संघर्ष भी खत्म हो जाएगा, बीजेपी नेता ने कहा कि जम्मू में एक नसबंदी केंद्र है और नतीजा यह है कि वहां कुत्तों की समस्या की कोई शिकायत नहीं है। मेनका ने कहा कि श्रीनगर नगर निगम ने तेंगपुरा इलाके में एक अच्छा नसबंदी केंद्र स्थापित किया है और वे एक अन्य स्थान पर एक और नसबंदी केंद्र खोल रहे हैं, उनके पास ऐसे दो केंद्र हो जाएंगे। उम्मीद है कि वे फिर इसे उचित तरीके से करेंगे।

# आतिशी को मिली जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अरविंद केजरीवाल की सरकार में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के जेल जाने के बाद से कई विभागों में फेरबदल हुआ है। दिल्ली मंत्री आतिशी का कद बढ़ गया है। दिल्ली कैबिनेट में फेरबदल करते हुए सरकार में आतिशी को जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी मिल गई है। अभी वर्तमान में इस विभाग के अलावा बिजली, शिक्षा, महिला और PWD विभाग की जिम्मेदारी मिली हुई है।

अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीएम अरविंद केजरीवाल से विचार विमर्श के बाद कैबिनेट मंत्री आतिशी को जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इस संबंध में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की ओर से एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। जानकारी के लिए बता दें कि अभी तक ये विभाग कैलाश गहलोत के पास था। फिलहाल, छह मंत्रियों के मंत्रिमंडल में किसी तरह का कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

# अगले हफ्ते से पसीना छुड़ाएगी गर्मी, लू के आसार

## 45-46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है पारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मई में तेज आंधी व बारिश की वजह से गर्मी से राहत रही, पर मौसम विभाग ने जून में भीषण गर्मी की भविष्यवाणी की है। पारे में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं होगा। 25 मई से शुरू हुआ नौतपा दो जून को खत्म होगा। वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञ के मुताबिक, फिलहाल जो सिस्टम नजर आ रहा है, उसके मुताबिक सात से 11 जून तक भीषण गर्मी के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पारा 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

गर्म हवा बेहाल करेगी। हालांकि, 18 से 21 जून तक लखनऊ सहित पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश में बादलों का डेरा रहने से राहत मिलेगी। 22-23 जून तक प्रदेश में मानसून की पहली बारिश हो सकती है। हालांकि, मानसून की पहली बारिश की संभावित तारीख 18 जून है। दिन और रात के तापमान में

गिरावट आई और यह क्रमश 37.6 और 25.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

इस साल मई में महज 10 दिन ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया। पिछले 15 सालों में सबसे कम अधिकतम तापमान दर्ज होने का रिकॉर्ड भी इस मई के नाम रहा। इस साल मई में सबसे कम अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, इससे पहले 2008 में सबसे कम अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। हालांकि, मई 1987 में अधिकतम तापमान 29 डिग्री भी दर्ज हो चुका है।

### मई में 39.9 मिमी. बरसा

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक मो. दानिश के मुताबिक एक मई से 29 मई तक लखनऊ एयरपोर्ट पर 39.9 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई। 4 मई को सर्वाधिक 12.7 मिमी बारिश हुई थी। 2011 से 2022 तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2020 की मई में एक दिन में 58.6 मिमी. पानी बरसा था। अन्य वर्षों में 2.1 से 21 मिमी. तक अधिकतम बरसात रिकॉर्ड की गई। दिल्ली-एनसीआर में मई के बाद जून की शुरुआत भी राहत भरी रही है। कई दिनों से तेज हवा व बारिश के कारण गुरुवार को भी अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे दर्ज हुआ। दिल्ली के कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान 16-17 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दो जून को भी 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और हल्की बारिश की संभावना जताई है। हालांकि, इसके बाद तीन जून से आसमान साफ होने लगेगा और तापमान में भी बढ़ोतरी होगी।

# भारत का जूनियर एशिया कप हॉकी खिताब पर कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

## पाकिस्तान को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर चौथी बार जूनियर एशिया कप खिताब जीत लिया। आठ साल बाद हो रहे इस टूर्नामेंट को देखने के लिये भारी तादाद में भारत और पाकिस्तान के प्रशंसक जुटे थे। आखिरी क्षणों में पाकिस्तान ने काफी आक्रामक हॉकी दिखाई लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एच एस की अगुवाई में रक्षापंक्ति ने उनके हर वार को नाकाम कर दिया।

भारत के लिये अंगद बीर सिंह ने 12वें मिनट में, अराइजीत सिंह हुंडल ने 19वें मिनट में गोल दागे जबकि भारत के पूर्व मुख्य कोच रोलेंट ओल्टमेंस की कोचिंग वाली पाकिस्तानी टीम के लिये एकमात्र गोल 37वें मिनट में बशारत अली ने किया। भारत ने 2004, 2005 और 2015 के बाद यह खिताब चौथी बार जीता है जबकि पाकिस्तान 1987, 1992 और 1996 में चैम्पियन रह चुका है। दोनों टीमें इससे पहले तीन बार जूनियर पुरुष हॉकी एशिया कप के फाइनल में भिड़ चुकी हैं। पाकिस्तान ने 1996 में जीत दर्ज की जबकि 2004 में भारत विजयी रहा। भारत ने पिछली बार मलेशिया में खेले गए टूर्नामेंट में पाकिस्तान को 6-2 से हराकर खिताब जीता था। इस बार टूर्नामेंट आठ साल बाद हो रहा है। कोरोना महामारी के कारण 2021 में इसका आयोजन नहीं हुआ था।

भारत ने आक्रामक शुरूआत करके पाकिस्तानी गोल पर पहले ही क्वार्टर में कई हमले बोले। भारत को 12वें मिनट में पहली कामयाबी अंगद बीर ने दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी गेंद पर नियंत्रण के मामले में भारत का ही दबदबा रहा। भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति के शानदार मूव को अराइजीत ने फिनिशिंग देते हुए 19वें मिनट में दूसरा फील्ड गोल दागा। टूर्नामेंट में यह उनका आठवां गोल था। हाफटाइम से पहले पाकिस्तान के शाहिद अब्दुल ने सुनहरा मौका बनाया लेकिन गोल के सामने से उनके शॉट को भारतीय गोलकीपर मोहित एच एस ने पूरी मुस्तैदी से बचाया। दूसरे हाफ में पाकिस्तानी टीम ने आक्रामक वापसी की और इसका फायदा उसे तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में मिला।

# स्टालिन के बाद सोरेन से मिले अरविंद केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

## अध्यादेश के खिलाफ मांगा समर्थन

रांची/नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान गुरुवार को रांची पहुंच गए। यहा उन्होंने शुक्रवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। केजरीवाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण को लेकर केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ अपनी पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) के लिए सीएम सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का समर्थन मांगेंगे।

झारखंड सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान दो जून 2023 को दोपहर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेंगे। दोनों दोपहर दो बजे मुख्यमंत्री आवास पर संयुक्त रूप से मीडिया से बातचीत करेंगे। दरअसल, केंद्र ने आईएएस और दानिक्स कैडर के अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण बनाने के लिए 19 मई को अध्यादेश जारी किया था। यह अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली में निर्वाचित सरकार को पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि से संबंधित सेवाओं को छोड़कर अन्य सेवाओं का नियंत्रण सौंपने के बाद आया। अध्यादेश जारी किए जाने के छह महीने के भीतर केंद्र को इसकी जगह लेने के लिए संसद में एक विधेयक लाना होगा। पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में थे।

### स्टालिन ने दिया समर्थन का भरोसा

इससे पहले केजरीवाल और मान ने चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की थी। स्टालिन ने केंद्र पर गैर-भाजपा शासित राज्यों में संकट उत्पन्न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि द्रमुक केंद्रीय अध्यादेश का कड़ा विरोध करेगी। स्टालिन ने कहा कि केंद्र आम आदमी पार्टी के लिए संकट उत्पन्न कर रहा है और विधिवत चुनी हुई सरकार को स्वतंत्र रूप से काम करने से रोक रहा है। आप सरकार के पक्ष में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बावजूद केंद्र अध्यादेश लाया। स्टालिन ने केजरीवाल को अपना अच्छा दोस्त बताया।

### गैर-भाजपा दलों को साथ लाने की कोशिश

इसके बाद आप प्रमुख केजरीवाल अध्यादेश के खिलाफ समर्थन हासिल करने के लिए गैर-भाजपा दलों के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं। उनका मकसद है कि संसद में विधेयक लाए जाने पर केंद्र उसे पारित नहीं करा सके।

फोटो:4 पीएम

**पुरस्कार** इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत 370 उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों के पुरस्कार वितरण समारोह में शिरकत करने पहुँचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनान्तर्गत 3,145 ग्राम पंचायतों के सचिवों को लैपटॉप वितरण किया और उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना का शुभारम्भ भी किया।

# 140 हथियारों के साथ उग्रवादियों ने किया सरेंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। मणिपुर में 140 हथियार समेत उग्रवादियों ने सरेंडर कर दिया है। मणिपुर में गृहमंत्री अमित शाह के दौरे के तुरंत बाद ही इसे बड़े असर के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल बीते दिन ही शाह ने इस बात को लेकर अपील की थी, जिसके चौबीस घंटे के अंदर ही इतनी ज्यादा संख्या में हथियार के साथ उग्रवादियों ने सरेंडर कर दिया है।

बीती 3 मई से भड़की हिंसा के चलते मणिपूर राज्य जल उठा था और करीब 75 से ज्यादा लोगों ने जान गंवा दी थी। कल गृहमंत्री ने लोगों से अपील की कि जिनके पास हथियार हैं, वो हथियार पुलिस के पास जमा कर दें। कल से पुलिस कॉम्बिंग करेगी और कॉम्बिंग के दौरान जिन लोगों के पास हथियार मिलेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य में शांति बहाली के लिए राज्यपाल की अध्यक्षता में एक शांति समिति का भी गठन किया जाएगा।

# बाबा महाकाल की नगरी में पहुंचे नेपाल के पीएम कमल दहल प्रचंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड आज बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन के दौरे पर हैं। वह इंदौर से सड़क मार्ग से होते हुए उज्जैन पहुंच गए हैं। यहां राज्यपाल मंगूभाई पटेल उनकी अगवानी की, जिसके कुछ देर में वह महाकाल लोक का भ्रमण करने गए और फिर बाबा महाकाल की पूजा किया।

नेपाल के पीएम के दौरे के चलते उज्जैन शहर और महाकाल मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया है। वहीं, सुरक्षा के लिहाज से भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री के भाषांतरण की सेवा प्रदान करने का काम इंदौर की कंपनी को सौंपा गया है। इंदौर की वर्ड डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी भाषांतरण का काम करेगी। ये कंपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती है और काफी ज्यादा सक्रीय भी है। अब तक वर्ड डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड ने कई ब? इवेंट में भाषांतरण की सेवा प्रदान की है। कंपनी को इंग्लैंड में चेंज मेकर कंपनी के नाम से जाना जाता है।

### सांस्कृतिक रूप से भारत नेपाल एक जैसे : शिवराज

वहीं, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर कहा कि भारत और नेपाल अत्यंत प्राचीन राष्ट्र हैं। भारत और नेपाल भले ही दो शरीर हों पर सांस्कृतिक रूप से वे एक हैं। दोनों का सांस्कृतिक वैभव और संस्कार एक जैसे हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध आने वाले दिनों में और भी प्रगाढ़ होंगे।

# पहलवानों के लिए महापंचायत में तय होगी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

## अब किसान नेता भी जुड़ गए

कुरुक्षेत्र। भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध कर रहे पहलवानों के समर्थन में अब किसान नेता भी जुड़ गए हैं। इस मामले पर आगे की रणनीति तैयार करने के लिए शुक्रवार कुरुक्षेत्र में खाप पंचायत बुलाई गई है। बैठक में किसान नेता राकेश टिकैत पहुंच चुके हैं। उनके अलावा सुखविंदर सिंह औलख और अमरजीत मोहडी सहित कई बड़े किसान नेता शामिल होंगे।

इस बैठक की अध्यक्षता सूबे सिंह समैण करेंगे। इसमें श्योरण खाप, धनखड़ खाप, संगरोहा खाप, समैण खाप और सर्व खाप के शामिल होने की संभावना है। आज होने वाली बैठक में सर्वसम्मति के साथ फैसला लिया जाएगा।

### राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे खाप प्रतिनिधि

इससे पहले बीते दिन राकेश टिकैत ने एलान किया था कि खाप प्रतिनिधि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शुक्रवार को मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा था कि खाप और प्रदर्शनकारी पहलवानों की हार नहीं होगी। साथ ही किसान नेता ने कुरुक्षेत्र में फैसले लिए जाने की बात भी कही थी।

### बृजभूषण बयानबाजी न करें : भाजपा

नई दिल्ली। बृजभूषण शरण सिंह के मामले में बीजेपी आलाकमान एक्शन में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय नेतृत्व ने पहलवानों के मामले में बृजभूषण को अनावश्यक बयानबाजी से बचने की हिदायत दी है। ज्ञात हो कि बृजभूषण ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, मेरे प्रिय शुभचिंतकों! आपके समर्थन के साथ पिछले 28 वर्षों से लोकसभा के सदस्य के रूप में सेवा की है, मैंने सत्ता और विपक्ष में रहते हुए सभी जातियों, समुदायों और धर्मों के लोगों को एकजुट करने का प्रयास किया है, इन्हीं कारणों से मेरे राजनीतिक विरोधियों और उनकी पार्टियों ने मुझ पर झूठे आरोप लगाए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।